किष्किंधाकांड ८

कि०
१

॥ई०॥श्रीगणेशायनमः॥श्रीमतेरामानुजाय॥श्लोक॥कुंदेंदीवरसुंदरावतीवलौविज्ञानधामावुभौसोभाढ्यौवरधन्विनौश्रुतिनुतौगोवि
प्रवृंदप्रियौ॥मायामानुष्यरूपिणौरघुवरौसंदर्ष्यधर्म्मौवुभौसीतान्वेषणतत्परौपथिगतौभक्तिप्रदौतौहिनः॥१॥ब्रह्मांभोधिसमुद्भवंकलिम
लप्रध्वंसनंचाव्ययंश्रीमच्छंभुमुखेंदुसुंदरवरेसंसोभितंसर्वदा॥संसाराभयभेषजंसुमधुरंश्रीजानकीजीवनंधन्यास्तेकृतिनःपिवंतिस
ततंश्रीरामनामामृतं॥२॥सो॥मुक्तिजन्ममहिजानज्ञानषानिअघहानिकर॥जहवसशंभुभवानिसोकाशीसेइयकसन॥सो॥ज
ज रतसकलसुरवृंदविषमगरलजेहिपानकिय॥तेहिनभसिमतिमंदकोकृपालसंकरसरिस॥२॥चौ॥आगेचलेउवहुरिरघुराया॥ऋ
ष्यमूकपरवतनियराया॥तहारहेसचिवसहितसुग्रीवा॥आवतदेषिअतुलवलसींवा॥अतिसभीतकहसुनुहनुमाना॥पुरुषजुगल
वलरूपनिधाना॥धरिवटरूपदेषुतहंजाई॥कहेसुजायनिजकथावुझाई॥पठएवालिहोंहिंमनमैला॥भाजेतुरिततजौंयहशैला॥विप्ररू
पधरिकपितहंगएऊ॥माथनाइपूछतअसभयऊ॥कोतुमस्यामलगौरशरीरा॥क्षत्रीरूपफिरहुवनवीरा॥कठिनभूमिकोमलपदगामी राम
कवनिहेतुविचरहुवनस्वामी॥मृदुलमनोहरसुंदरगाता॥सहतदुसहवनआतपवाता॥कीतुम्हतीनिदेवमहकोऊ॥नरनारायणकी १
तुम्हदोऊ॥दो॥जगकारनतारनभवभंजनधरनीभार॥कीतुम्हअखिलभुवनपतीलीन्हमनुजअवतार॥१॥चौ॥कोशलेशद ऋषिवोले
शरथकेजाए॥हमपितुवचनमानिवनआए॥नामरामलछिमनदोउभाई॥संगनारिसुकुमारिसुहाई॥इहाहरीनिसिचरवैदेही॥विप्रफि रघुवंश
विधि कालि षाको मेटनहारा कुमारा

रहिहमषोजततेही॥आपनचरितकहाहमगाई॥कहहुविप्रनिजकथावुझाई॥प्रभुपहिचानिपरेगहिचरना॥सोसुखउमाजाइनहि
वरना॥पुलकिततनमुखआवनवचना॥देषतरुचीरभेषकेरचना॥पुनिधीरजधरिअस्तुतिकीन्ही॥हरषहृदयनिजनाथहिचीन्ही
मोरनाउमैंपूछासांई॥तुमपूछहुकसनरकीनांई॥तवमायावसफिरउंभुलाना॥तातैमैनहिप्रभुपहिचाना॥दो॥एकमैमंदमोहवस
कुटिलहृदयअज्ञान॥पुनिप्रभुमोहिविसारेउदीनवंधभगवान॥२॥चौ॥यदपिनाथवहुऔगुनमोरे॥सेवकप्रभुहिपरैजनिभोरे॥
नाथजीवतवमायामोहा॥सोनिस्तरैतुम्हारिहिछोहा॥तापरमैरघुवीरदोहाई॥जानउंनहिकछुभजनउपाई॥सेवकसुतपितुमातुभरो
से॥रहैअसोचवनैप्रभुपोसे॥असकहिपरेउचरनअकुलाई॥निजतनप्रगटिप्रीतिउरछाई॥तवरघुपतिउठाईउरलावा॥निजलोचनज
लसीचिजुडावा॥सुनुकपिजियमानसिजनिऊना॥तैममप्रीयलछिमनतेदूना॥समदरसीमुहिकहसवकोई॥सेवकप्रियअनन्यगतिसो
ई॥दो॥सोअनन्यजाकेअसमतिनटरैहनुमंत॥मैसेवकसचराचररूपस्वामिभगवंत॥३॥चौ॥देषिपवनसुतपतिअनुकूला॥हृदयहरषि
वीतिसवसूला॥नाथसैलपरकपिपतिरहई॥सोसुग्रीवदासतवअहई॥तेहिसननाथमैत्रीकीजै॥दीनजानितेहिअभैकरीजै॥सोसीताकरषोज
कराइहि॥जहंतहंमर्कटकोटिपठाइहि॥एहिविधिसकलकथासमुझाई॥लिएदोउजननपीठिचढाई॥जवसुग्रीवरामकहदेषा॥अतिसयजन्म
धन्यकरिलेषा॥सादरमिलेउनाइपदमाथा॥भेटेउअनुजसहितरघुनाथा॥कपिकरमनविचारएहिरीती॥करिहहिविधिमोसनएप्रीती॥दो

कि॰ २ तवहनिवंतउभयादिसिकहिसवकथासुनाई॥ पावकसाषीदेइकरिजोरीप्रीतिहढाई॥४॥ चौ॥ कीन्हिप्रीतिकछुवीचनराषा॥ लछिम
नरामचरितअसभाषा॥ कहसुग्रीवनयनभरिवारी॥ मिलिहिनाथमिथिलेसकुमारी॥ मंत्रीनसहितइहाएकवारा॥ वैठरहेउमैकरतविचा
रा॥ गगनपंथदेषीमैजाता॥ परवसपरीवहुतविलषाता॥ रामरामहारामपुकारी॥ हमहिदेषिदीन्हेउपटडारी॥ मागाराममतुरतसोदीन्हा॥
पटउरलाइसोचअतिकीन्हा॥ कहसुग्रीवसुनहुरघुवीरा॥ तजहुसोचमनआनहुधीरा॥ सवप्रकारकरिहैसेवकाई॥ जेहिविधिमि
लिहिजानकीआई॥ दो॥ सषावचनसुनिहरषेकृपासिंधवलसीव॥ कारनकवनवसहुवनमोहिकहहुसुग्रीव॥५॥ चौ॥ नाथवा
लिअरुमैदोउभाई॥ प्रीतिरहीकछुवरनिनजाई॥ दुंदुभिदैतमहावलवाना॥ वधेउवालितेहिकृपानिधाना॥ दुंदुभीतनैमायावीनाऊ॥ वयर
लेनआवानिजगाऊ॥ अर्द्धरातिपुरद्वारपुकारा॥ वालिमहावलसहइनपारा॥ धावावालिदेषिसोभागा॥ मैपुनिगएउवंधुसंगलागा॥ गि
रिवरगुहापइठिसोजाई॥ तवहिवालिमोहिकहाबुझाई॥ परिषेसुमोहिएकपषवारा॥ नहिआवौतौजानेसुमारा॥ मासदिवसतहेंरहेउषरा राम
री॥ निकसीरुधिरधारअतिकारी॥ वालिहतेसिमोहिमारिहिआई॥ सिलादेइतहेंचलेपराई॥ मंत्रिनपुरदेषाविनुसांई॥ दीन्हराजमोहिकह २
वरिआई॥ वालिताहिमारिगृहआवा॥ देषिमोहिजियभेदवढावा॥ रिपुसममोहिमारेसिअतिभारी॥ हरिलीन्हेसिसरवसअरुनारी॥ ताकेभय
रघुवीरकृपाला॥ सकलभुवनमैफिरउविहाला॥ इहांस्रापवसआवतनाही॥ तदपिसभीतरहौवनमाही॥ सुनिसेवकदुषदीनदयाला॥

यन
१ चौपई ॥ एकबारजानकीसमेता ॥ बैठेप्रभुनिजरुचिरनिकेता ॥ भुजप्रलंबकंजनैनबिसाला ॥ पीतबसनतनस्यामतमा
ला ॥ कोटिमनोजदेखिछबिमोहा ॥ सीताकरचामरबरसोहा ॥ तिहअवसरनारदऋषिआए ॥ सुरहितलागिबिरंचिपठा
त ए ॥ तेजपुंजतनकरलेबी[illegible]ना ॥ हरिगुनगानगावततलयलीना ॥ दिषिरामसहसाउठिधाए ॥ करिदंडवतहृदयमुनि
लाए ॥ सादरनिजआसनबैठारे ॥ जनकसुतातबचरनपखारे ॥ तेहिचरनोदकान्हुवनसिचावा ॥ जगपावनहरिसीस
चढावा ॥ सुनमुनिविषयनिरतजेप्रानी ॥ हमससारिषेदेहअभिमानी ॥ तिनकहुसमतिसंगतिनहोई ॥ करहिकृपाजा
कहुप्रभुसोई ॥ ताकोमुनिनाहिनअवआगे ॥ जेहिविहेतसंतप्रयलागे ॥ तातेनारदमैवडभागी ॥ जद्यपिनाहकुटेव
अनुरागी ॥ दो ॥ सुनिहरिबचनमुधारप्रियकरिविचारमुनिधीर ॥ परमकृपालसंलोगहितलागेकहनरघुवीर
चौपई ॥ कहिमुनितवमहिमारघुराया ॥ मेजानहुकछुतुमरीदाया ॥ वचनकहिहप्राकृतकीनाई ॥ तातेनहिकछु
छाटेहुगुसाई ॥ प्रभुयहसदातुमहिवनिआई ॥ निजलघुताजनकेरिवडाई ॥ सहजसुभाउप्रीतिअनुरागी ॥ नर
तनधरेहुदासहितलागी ॥ मायागुनगोज्ञानअनीता ॥ अजितअनूनामसोदासनजीता ॥ जेहिसमप्रभुअतिशयकोऊ
नाही ॥ व्यापकअजसमाननसनमाही ॥ नदराचरोमेलिजोसोवा ॥ असनपानलागेमोरेवा ॥ नामरूपवपुवरननभेदा ॥ १

अवगति अकल नेति कह वेदा ॥ निर्मम मुक्ति निरामय जोई ॥ दैरथ्य सुत कहि गावत सोई । जप तप जोग जज्ञ व्रत दाना ।
विमल विराग ज्ञान विज्ञाना ॥ करहि जतन मुनि पावत कोऊ । देषा प्रगट नगत वस सोऊ । इव व वस सव साधन वहु क
रहीं ॥ नगति हीन नव सिंधु न तरहीं । दोहा ज्ञान सम कहु ते जान हृ निर्गुन सगुन सरूप ॥ मम हृदय कंज भृंग इव वव सहु स
मनरूप चौपई ॥ वुझ नव न मैरहै उ कृपाला ॥ गाव त गुन गन दीन दयाला ॥ अस इछा उपजी मन माहीं । देषे चरन
वहुत दिन नाहीं । यद्यपि प्रभु सर्वत्र समाना ॥ सगुन रूप मोरे मन माना । अवधचलत विरंच मोहि जाना । कीनो विनय ला
गि मम काना । प्रभु जानत सव अंतरजामी ॥ नगतवस विनतीय हस्वामी ॥ जेहि हित लानम नु ज अव तारा ॥ नाथ वे गीसो
ई करीये सनारा । सुन त व वचन रघुपति मुसिकाने ॥ मुनि अजज के विस्च नय माने ॥ कहेहु तात वुझ हि समुझाई ॥ काछु १
दिन वीते देषहु आई । वार वार चरनहिं सिरनाई ॥ वुसानंद न हृदय समाई ॥ राम रूप उर धरि मुनि नारद ॥ चले करत गुन
गान विसारद । तव रघुपति सीत हि समुझावा ॥ चहत करन सो चरित वनावा ॥ सुर हित लागि करि यसो उपाई ॥ जाइ ये वन
परिहरि व करु राई । दोहा जग संभव स्थिति लय जाकी भृकुटि विलास ॥ सो प्रभु जत विचार त केहि विधि निसचरना ने
सो । र । चौपई ॥ राम राम । राम राम राम राम । राम राम राम राम राम । राम राम राम राम । राम राम राम राम । राम राम राम राम । राम राम राम जी

फरकि उठी दोउ भुजा विसाला॥ दो॥ सुनु सुग्रीव मारिहौ बालिहि येकै वान॥ ब्रह्म रुद्र सरनागत गए उन उवरे प्रान॥ ६॥ चौ॥ येनमित्रदुख
होहि दुखारी॥ तिन्हहि विलोकत पातक भारी॥ निज दुखगिरि सम रज करि जाना॥ मित्र क दुख रज मेरु समाना॥ जिन्हके असि मति सहज
न आई॥ ते सठ हठि कत करहि मिताई॥ कुपंथ निवारि सुपंथ चलावा॥ गुन प्रगटै अवगुनहि दुरावा॥ देत लेत मन संक न धरई॥ वल अ
नुमान सदा हित करई॥ विपति काल अरु सतगुन नेही॥ स्रुति कह संत मित्र गुन एही॥ आगे कह म्रदु वचन वनाई॥ पाछे अनहित मन कु
टिलाई॥ जाकर चित एहि गति सम भाई॥ अस कुमित्र परिहरे भलाई॥ दो॥ मित्र मित्र सो प्रीति करि ह्रदय आन मुख आन॥ जाके मन वच
प्रेम हिय दुरै दुराय न जान॥ ७॥ चौ॥ सेवक सठ न्रप क्रपिन कुनारी॥ कपटी मित्र स्रूल सम चारी॥ सखा सोच त्यागहु वल मोरे॥ सव विध
धि करव काज मैं तोरे॥ कह सुग्रीव सुनहु रघुवीरा॥ वालि महावल अति रणधीरा॥ दुंदुभि अस्थि तार देषराए॥ विनु प्रयास रघुनाथ ढहा
ए॥ देषि अमित वल वाढी प्रीती॥ वालि वधै क इ भई परतीती॥ वार वार नावै पद सीसा॥ प्रभुहि जानि मन हरष कपीसा॥ उपजा ज्ञान वचन तव
वोला॥ नाथ क्रपा मन भए उ अडोला॥ सुख संपति परिवार वडाई॥ सव परिहरि करिहौ सेवकाई॥ ए सव राम भक्ति के वाधक॥ कहहि संत तव पद
अवराधक॥ शत्रु मित्र सुख दुख जग माही॥ माया क्रत परमारथ नाही॥ वालि परम हित जासु प्रसादा॥ मिलेहु राम तुम सम नविषादा॥ सप
ने जेहि सन होइ लराई॥ जागे समुझत मन सकुचाई॥ अव प्रभु क्रपा करहु एहि भांती॥ सव तजि भजन करहु दिन राती॥ सुनि विराग संयुत

कि० २

कपिवानी ॥ बोलेविहसिरामधनुपानी ॥ जोकछुकहहुसत्यसबसोई ॥ सखावचनममम्रषानहोई ॥ नटमर्कटइवसबहिनचावत ॥ राम व
खगेसवेदअसगावत ॥ लैसुग्रीवसंगरघुनाथा ॥ चलेचापसायकगहिहाथा ॥ तवरघुपतिसुग्रीवपठावा ॥ गर्जेसिजाइनिकटवलु
पावा ॥ सुनतवालिक्रोधातुरधावा ॥ गहिकरचरननारिसमुझावा ॥ सुनुपतिजिन्हहिमिलेसुग्रीवा ॥ तेदोउवंधतेजवलसीवा ॥ को
शलेशसुतलछिमनरामा ॥ कालहुजीतिसकहिसंग्रामा ॥ दो ॥ कहावालिसुनुसमुझप्रिया समदरसीरघुनाथ ॥ जोकदाचिमो
हिमारिहैतौपुनिहोउसनाथ ॥ ७ ॥ चौ ॥ असकहिचलामहाअभिमानी ॥ तृनसमानसुग्रीवहिजानी ॥ भिरेउभउवालिअति
तरजा ॥ मुष्टिकामारिमहाधुनिगरजा ॥ तवसुग्रीवविकलहोइभागा ॥ मुष्टिप्रहारवज्रसमलागा ॥ मैजोकहारघुवीरकृपाला ॥ वंधु
नहोइमोरयहकाला ॥ एकरूपतुमभ्राताटोउ ॥ तेहिभ्रमतेनहिमारेउसोउ ॥ करपरसासुग्रीवसरीरा ॥ तनभाकुलिशगईसवपीरा
मेलीकंठसुमनकैमाला ॥ पठवापुनिवलदेइविसाला ॥ पुनिनानाविधिभईलराई ॥ विटपवोटदेषहिरघुराई ॥ दो० ॥ ब राम
हुछलवलसुग्रीवकरिहियहारिभयमानि ॥ मारावालिहिरामतवहृदयमाझसरतानि ॥ ८ ॥ चौ ॥ पराविकलमहिसरकेलागे ॥ पु २
निउठिवैठदेषिप्रभुआगे ॥ स्यामगातसिरजटावनाए ॥ अरुननयनसरचापचढाए ॥ पुनिपुनिचितैचरनचितदीन्हा ॥ सुफलजन
न्ममानाप्रभुचीन्हा ॥ हृदयप्रीतिमुखवचनकठोरा ॥ वोलाचितइरामकीओरा ॥ धर्महेतुअवतरेहुगोसांई ॥ मारेहुमोहिव्या

धकिनाई॥मैवैरीसुग्रीवपियारा॥कारणकवननाथमोहिमारा॥अनुजवधूभगिनीसुतनारी॥सुनुसठकन्याएसमचारी॥एन्हहिकु
दिष्टिविलोकैजोई॥ताहिवधेकछुपापनहोई॥मूढतोहिअतिसयअभिमाना॥नारिसिषावनकरसिनकाना॥ममभुजवलआश्रिततेहिजा
नी॥माराचहसिअधमअभिमानी॥दो॥सुनहुरामस्वामीसजनचलनचातुरीमोरि॥प्रभुअजहूंमैपापीअंतकालगतितोरि॥१०॥चौ॥सुन
तरामअतिकोमलवानी॥वालीसीसपरसेउनिजपानी॥अचलकरौंतनुराषहुप्राना॥वालिकहासुनुकृपानिधाना॥जन्मजन्म
मुनिजतनकराहीं॥अंतरामकहिआवतनाहीं॥जासुनामवलशंकरकासी॥देतसवहिगतिअतिअविनासी॥ममलोचनगोचरसो
इआवा॥वहुरिकीअसप्रभुवनिहिवनावा॥छं॥सोनैनगोचरजासुगुननितनेतिकहिश्रुतिगावही॥जितपवनमनगोनिरसकरिमु
निध्यानकवहुंकिपावही॥मोहिजानिअतिअभिमानवसप्रभुकहेउराषुशरीरही॥असकौनसठहठिकाटिसुरतरुवारिकरिहिव
वूरही॥अवनाथकरिकरुणाविलोकहुदेहुजोवरमागऊं॥जेहिजोनिजन्मौकर्मवसतहंरामपदअनुरागऊं॥यहतनयममविन
यवालककल्यानप्रदप्रभुदीजिए॥गहिवाहुसुरनरनाहआपनदासअंगदकीजिए॥दो॥रामचरनदृढप्रीतिकरिवालिकीन्ह
तनत्याग॥सुमनमालजिमिकंठतेगिरतनजानैनाग॥११॥चौ॥रामवालिनिजधर्मपठावा॥नगरलोगसवव्याकुलधावा॥नाना
विधिविलापकरुतारा॥छूटेकेसनदेहसभारा॥ताराविकलदेषिरघुराया॥दीन्हज्ञानहरिलीन्हिमाया॥छितिजलपावकगगनसमीरा

कि० ४ पंचरचित अति अधम सरीरा ॥ प्रगट सो तनु तव आगे सोवा ॥ जीव नित्य केहि कारण रोवा ॥ उपजा ज्ञान चरन तव लागी ॥ लीन्हिसि पर
मभक्ति वर मागी ॥ उमा दारु जोषित कि नाई ॥ सवहि नचावत राम गोसांई ॥ तव सुग्रीवहि आयसु दीन्हा ॥ मृतक कर्म विधवत सव कीन्हा
राम कहा अनुजहि समुझाई ॥ राज देहु सुग्रीवहि जाई ॥ रघुपति चरन नाइ करि माथा ॥ चले सकल प्रेरित रघुनाथा ॥ दो ॥ लछिमन तुरत
वोलाए पुरजन विप्र समाज ॥ राज दीन्ह सुग्रीव कह अंगद कह जुवराज ॥ ११ ॥ चौ ॥ उमा राम सम हित जग माही ॥ गुरु पितु मातु वंधु कोउ ना
ही ॥ सुर नर मुनि सव कै यह रीती ॥ स्वारथ लागि करहि सव प्रीती ॥ वालि त्रास व्याकुल दिन राती ॥ तन वहु व्रण चिंता जर छाती ॥ सोइ सुग्रीव
कीन्ह कपिराउ ॥ अति कृपाल रघुवीर सुभाउ ॥ जानतहू अस प्रभु परिहरही ॥ काहे न विपति जाल नर परही ॥ पुनि सुग्रीवहि लीन वोला
ई ॥ वहु प्रकार नृप नेति सिषाई ॥ कह प्रभु सुनु सुग्रीव हरीसा ॥ पुर न जाउं दश चारि वरीसा ॥ गत ग्रीषम वरषा रितु आई ॥ रहिहों निकट
स यल पर छाई ॥ अंगद सहित करहु अव राजू ॥ संतत हृदय धरे मम काजू ॥ जव सुग्रीव भवन फिरि आवा ॥ राम लषन गिरि वर पर छावा राम
म दो ॥ प्रथमहि देवन्ह गिरि गुहा राषी रुचिर वनाइ ॥ राम कृपानिधि कछु क दिन वास करहिगे आइ ॥ १२ ॥ चौ ॥ सुंदर वन कुसुमित अति ४
सोभा ॥ गुंजत मधुप निकर मधु लोभा ॥ कंद मूल फल पत्र सोहाए ॥ भए वहुत जव ते प्रभु आए ॥ देषि मनोहर सैल अनूपा ॥ रहे तहं
अनुज सहित सुरभूपा ॥ मधुकर षग मृग तनु धरि देवा ॥ करहिं सिद्ध मुनि प्रभु कै सेवा ॥ मंगल रूप भए उ वन तव ते ॥ कीन्ह निवास रमाप

तिजवते॥ फटिकसिलाअतिसुभ्रसुहाई॥ सुखआसीनतहाद्वौभाई॥ कहतअनुजसनकथाअनेका॥ भक्तिविरतिउपनीतिविवेका॥ वरषा
कालमेघनभछाए॥ गर्जतलागतपरमसुहाए॥ दो॥ लछमनदेषहुमोरगणनाचतवारिधपेषि॥ ग्रहीविरतिरतिहर्षजसविस्नभक्तकहदेषि
१४॥ चौ॥ घनघमंडनभगरजतघोरा॥ प्रियाहीनडरपतमनमोरा॥ दामिनिदमकिरहतघनमाही॥ षलकैप्रीतियथाथिरनाही॥ वरषहिजल
दम्रमिनियराए॥ जथानवहिबुधविद्यापाए॥ बुंदअघातसहहिगिरिकैसे॥ षलकैवचनसंतसहजैसे॥ छुद्रनदीभरिचलीतुराई॥ जसथोरे
धनषलवउराई॥ भूमिपरतभाढावरपानी॥ जनुजीवहिमायालपटानी॥ समिटिसमिटिजलभरहितलावा॥ जिमिसदगुणसज्जनप
हिआवा॥ सलिताजलजलनिधिमह्रुजाई॥ होइअचलजिमिजिवहरिपाई॥ दो॥ हरितभूमितृनसंकुलसमुझिपरहिनपंथ॥ जिमिपाष
डवादतेगुपतहोहिसदग्रंथ॥ १५॥ चौ॥ दादुरधुनिचहुदिसासुहाई॥ वेदपढहिजनुवटुसमुदाई॥ नवपल्लवभएविटपअनेका॥ साधकमन
जिमिमिलेविवेका॥ अर्कजवासपातविनुभयउ॥ जससुराजषलउद्यमगयउ॥ षोजतकतहुमिलैनहिधूरी॥ करैक्रोधजिमिधर्महि
दूरी॥ सिसिसपन्नसोहमहिकैसे॥ उपकारीकीसंपतिजैसे॥ निसितमघनषद्योतविराजा॥ जनुदंभिनकरमिलेउसमाजा॥ महावृष्टिचलिफू
टिकिआरी॥ जिमिसुतंत्रभएविगरहिनारी॥ कृषीनिरावहिचतुरकृसाना॥ जिमिबुधतजहिमोहमदमाना॥ देषियतचक्रवाकषगना
ही॥ कलिहिपाइजिमिधर्मनसाही॥ ऊसरवरषैतृणनहिजामा॥ जिमिहरिजनहियउपजनकामा॥ विविधिजंतुसंकुलमहिभ्राजा॥ प्रजा

कि० वाढजिमिपाइसुराजा ॥ जहंतहंरहेपथिकथकिनाना ॥ जिमिइंद्रीगणउपजनज्ञाना ॥ दो ॥ कबहुंप्रबलचलैमारुतजहंतहंमेघविलाइ
५ जिमिकसूतकेउपजेंकुलकेधर्मनसाइ ॥ दो ॥ कबहूदिवसमहनिविडतमकबहुंकप्रगटपतंग ॥ विनसैउपजैज्ञानजिमिपाइकुसं
गसुसंग ॥ १६ ॥ चौ ॥ वरषाविगतसरदरितुआई ॥ लछिमनदेषहुपरमसुहाई ॥ फूलेकांससकलमहिछाई ॥ जनुवरषाकृतप्रगटवुढाई
ज उदितअगस्तिपंथलेसोषा ॥ जिमिलोभहिसोषैसंतोषा ॥ सरितासरनिर्मलजलसोहा ॥ संतहृदयजसगतमदमोहा ॥ रसरससूषसरितसरपा(
नी ॥ ममतात्यागकरहिजिमिज्ञानी ॥ जानिसरदरितुषंजनआए ॥ पाइसमयजिमिसुकृतसोहाए ॥ पंकनरेनुसोहअतिधरनी ॥ नीतिनि(
पुनन्रपकैजसिकरनी ॥ जलसंकोचविकलभइमीना ॥ अबुधकुटंवीजिमिधनहीना ॥ विनुघननिर्मलसोहअकासा ॥ हरिजनइवपरिहरि
सबआसा ॥ कहुंकहुंवृष्टिसरदरितुथोरी ॥ कोउएकपावभक्तिजिमिमोरी ॥ दो ॥ चलेहरषितजिनगरनृपतापसवनिजभिषारि ॥ जिमिह
रिभक्तिपाइश्रमतजहिआश्रमीचारि ॥ १७ ॥ चौ ॥ सुषीमीनजेनीरअगाधा ॥ जिमिहरिसरननएकौवाधा ॥ फूलेकमलसोहसरकैसे ॥ नि राम
र्गुणब्रह्मसगुणभएजैसे ॥ गुंजतमधुकरमुखरअनूपा ॥ जिमिद्विजश्रुतिपढएकसरूपा ॥ चक्रवाकमनदुखनिसिपेषी ॥ जिमिदुरजनन ५
परसंपतिदेषी ॥ चातकरटततृषाअतिओही ॥ जिमिसुखलहैनसंकरद्रोही ॥ सरदातपनिसिससिअपहरई ॥ संतदरसजिमिपातकटर
ई ॥ देषिइंदुचकोरसमुदाई ॥ चितवहिजिमिहरिजनहरिपाई ॥ मसकदंसवीतेहिमत्रासा ॥ जिमिद्विजद्रोहकियेकुलनासा ॥ दो ॥ भूमिजी

वसंकुलरहेगरसरसरितुपाइ॥ सदगुरमिलेताहिजिमिसंसयभ्रमसमुदाइ॥१८॥चौ॥ वरषागतनिर्मलरितुआई॥ सुधिनतात
सीताकैपाई॥ एकवारकैसेहुसुधिजानौ॥ कालौजीतिनिमिषमहुआनौ॥ कतहुरहौजीवतजौहोई॥ तातजतनकरिआनै
सोई॥ सुग्रीवहुसुधिमोरिविसारी॥ पावाराजकोसपुरनारी॥ जेहिसायकमारामैवाली॥ तेहिसरहतौमूढकहुकाली॥ जासुकृ
पाछूटहिमदमोहा॥ ताकहुंउमाकिसपनेहुकोहा॥ जानहियहचरित्रमुनिज्ञानी॥ जिन्हरघुवीरचरनरतिमानी॥ लछिमनक्रोध
वंतप्रभुजाना॥ धनुषचढाइगहेकरवाना॥ दो॥ तवअनुजहिसमुझावारघुपतिकरुणासींव॥ भयदेषाइलैआवहुतातसखासुग्री
व॥१९॥चौ॥ इहापवनसुतहृदयविचारा॥ रामकाजसुग्रीवविसारा॥ निकटजाइचरनन्हसिरुनावा॥ चारिहुविधितेहिवहुसमुझा
वा॥ सुनिसुग्रीवपरमभयमाना॥ विषयमोहहरिलीन्हेउज्ञाना॥ अवमारुतसुतदूतसमूहा॥ पठवहुजहंतहंवानरजूहा॥ कहहु
पाषमहुआवनजोई॥ मोरेकरताकरवधहोई॥ तवहनुवंतवॅलाएदूता॥ सवकरकरिसनमानवहूता॥ भयअरुप्रीतिनितिदेषराई
चलेसकलचरनन्हसिरुनाई॥ एहिऔसरलछिमनपुरआए॥ क्रोधदेषिजहंतहंकपिधाए॥ दो॥ धनुषचढाइकहातवजारिकरौपु
रछार॥ व्याकुलनगरदेषितवआएवालिकुमार॥२०॥चौ॥ चरननाईसिरविनतीकीन्ही॥ लछिमनअभैवाहतेहिदीन्ही॥ क्रोधवंतलछि
मनसुनिकाना॥ कहकपीसअतिभयअकुलाना॥ सुनुहनिवंतसंगलैतारा॥ करिविनतीसमुझाउकुमारा॥ तारासहितजाइहनुमाना॥

किं०
६

चरनवंदिप्रभुसुजसवषाना॥करिविनतीमंदिरलैआए॥चरनपषारिपलंगवैठाए॥नवकपीसचरननसिरुनावा॥गहिभुजलछिमन
कंठलगावा॥नाथविषयसममदकछुनाही॥मुनिमनमोहकरैछनमाही॥सुनतविनीतवचनसुखपावा॥लछिमनतेहिवहुविधि
समुझावा॥पवननतनयसवकथासुनाई॥जेहिविधिगएदूतसमुदाई॥दो॥हरषिचलेसुग्रीवतवअंगदादिकपिसाथ॥रामानुजआगेक
रिआएजहंरघुनाथ॥२०॥चौ॥नाइचरनसिरुकहकरजोरी॥नाथमोहिकछुनाहिनषोरी॥अतिसयप्रवलदेवतवमाया॥छू
टैरामकरहुजौदाया॥विषयवस्यसुरनरमुनिस्वामी॥मैपावरपसुकपिअतिकामी॥नारिनयनसरजाहिनलागा॥घोरक्रोध
तमनिसिजोजागा॥लोभकामजेहिगरनवंधाया॥सोनरतुमसमानरघुराया॥यहगुनसाधनतेनहिहोई॥तुमरीकृपापावको
इकोई॥तवरघुपतिवोलेमुसुकाई॥तुम्हप्रियमोहिभरतजिमिभाई॥अवसोइजतनुकरहुमनलाई॥जेहिविधिसीताकेसु
धिपाई॥दो॥एहिविधिहोतवतकहीआएवानरजूथ॥नानावरनसकलदिसिदेषियकीसवरूथ॥२१॥चौ॥वानरकटक राम
उमामैदेषा॥सोमूरषजोकरनचहलेषा॥आइरामपदनावहिमाथा॥निरषिवदनसवहोहिसनाथा॥असकपिएकनसेना ६
माही॥रामकुशलजेहिपूछानाही॥यहकछुनहिप्रभुकेअधिकाई॥विस्वरूपव्यापकरघुराई॥ठाढेजहंतहंआपसुपाई॥कहसु
ग्रीवसवहिसमुझाई॥रामकाजअरुमोरनिहोरा॥वानरजूथजाहुचहुओरा॥जनकसुताकहुषोजहुजाई॥मासदिवसे

महआएहुभाई॥अवधिमेटिजोविनुसुधिपाए॥आवहिवनिहिसोमोहिमराए॥दो॥वचनसुनतसववानरजहंतहंचलेतुरंत॥त
वसुग्रीववोलाएअंगदनलहनिवंत॥२३॥चौ॥सुनहुनीलअंगदहनुमाना॥जामवंतमतिधीरसुजाना॥सकलसुभटमिलिद
छिनजाहू॥सीतासुधिपूछेहुसवकाहू॥मनक्रमवचनसोजतनविचारेहु॥रामचंद्रकरकाजसवारेहु॥भानुपीठिसेइयउरआगी॥स
स्वामिहिसर्वभावछलत्यागी॥तजिमायासेइयपरलोका॥मिटहिसकलभवसंभवसोका॥देहधरेकरयहफलभाई॥भजियरामसव
कामविहाई॥सोइगुणज्ञानसोइवडभागी॥जोरघुवीरचरनअनुरागी॥आयसुमागिचरनसिरुनाई॥चलेहरषिसुमिरतरघुराई॥पा
छेपवनतनैसिरुनावा॥जानिकाजप्रभुनिकटवोलावा॥परसासीससरोरुहपानी॥करमुंद्रिकादीन्हिसहिर्जनी॥वहुप्रकारसीतहिसमु
झायहु॥कहिवलविरहवेगितुमआएहु॥हनुमतजनमसुफलकरिमाना॥चलेउहृदयधरिकृपानिधाना॥जद्यपिप्रभुजानतसववाता॥
ता राजनीतिराषतसुरत्राता॥दो॥चलेसकलवनषोजतसरिसरजहंगिरिषोह॥रामकाजलयलीनमनविसरातनुकरछोह॥२४॥चौ॥
कतहुहोइनिसिचरसनभेटा॥प्रानलेहिएकएकचपेटा॥वहुप्रकारगिरिकाननहेरहि॥कोउमुनिमिलैताहिसवघेरहि॥लगीत्रिषाअ
तिसयअकुलाने॥मिलइनजलुवनगहनभुलाने॥मनहनुमानकीन्हअनुमाना॥तजनचहतसवविनुजलपाना॥चढिगिरिसि
षरचहुंदिसिदेषा॥भूमिविवरएककौतुकपेषा॥चक्रवाकवकहंसउडाहीं॥वहुतकषगप्रविसहितेहिमाहीं॥गिरितेउतरिपवनसुतआवा॥

किं०
७

रसवकक्रुलैसोइविवरदेषावा॥आगेकैंहनिवंतहिलीन्हा॥पैठेविवरविलंवुनकीन्हा॥दो॥दीषजाइउपवनसरविगसिततहं
वहुकेज॥मंदिरएकरुचिरतहंवैठिनारितपपुंज॥२५॥चौ॥दूरितेताहिसवनसिरुनावा॥पूछेनिजवृतांतसुनावा॥तेतवकहाक
रहुजलपाना॥षाहुसरसफलसुंदरनाना॥मज्जनकीन्हमधुरफलषाए॥तासुनिकटचलिसवपुनिआए॥तेहिसवआ
पनिकथासुनाई॥मैंअवजावजहांरघुराई॥मूंदहुनैनविवरतजिजाहु॥पैहहुसीतहिजनिपछिताहु॥नैनमूदिपुनिदेषहिवीरा॥
ठाढेसकलसिंधुकेतीरा॥सोपुनिगइजहांरघुनाथा॥जाइकमलपदनाइसिमाथा॥नानाभांतिविनैतेहिकीन्ही॥अनपावनिभक्ति
प्रभुदीन्ही॥दो॥वदरीवनकहुसोगइप्रभुअज्ञाधरिसीस॥उरधरिरामचरनजुगलयेवंदतअजईस॥२६॥चौ॥इहांविचारहिकपिमन
माही॥वीतिअवधिकाजकछुनाही॥सवमिलिकहहिपरसपरवाता॥विनुसुधिलिएकरवकाभ्राता॥कहअंगदलोचनभरिवारी॥दुहुं
प्रकारभईमृतुहमारी॥इहांनसुधिसीताकैपाई॥उहांगएमारिहिकपिराई॥पितावधेपरमारतमोही॥राषारामनिहोरनओही॥पुनिपुनिअं राम
गदकहसवपाही॥मरनभएउकछुसंसयनाही॥छनएकसोचमगनहोइगए॥पुनिअसवचनकहतसवभए॥हमसीताकैविनुसुधिली ७
ने॥नहिजैहैंजुवराजप्रवीने॥असकहिलवनसिंधुतटजाई॥वैठेकपिसवदर्भडसाई॥जामवंतअंगददुषदेषी॥कहीकथाउपदेसविशे
षी॥तातरामकहुंनरजनिमानहु॥निर्गुणब्रह्मअजितअजजानहु॥हमसवसेवकअतिवडभागी॥संततसगुणब्रह्मअनुरागी॥दो॥निज

ईछाअवतरइप्रभुसुरमहिगोद्विजलागि॥सगुनोपासिकसंगतहंरहहिमोछसबत्यागि॥२७॥चौ॥एहिविधिकथाकहहिबहुभांती॥गि
रिकंदरासुनीसंपाती॥बाहरहोइदेषिबहुकीसा॥मोहिअहारदीन्हजगदीसा॥आजुसबनिकरभछनकरउ॥दिनबहुगएउअस
नविनुमरऊं॥कबहुनमिलभरिउदरअहारा॥आजुदीन्हविधिएकहिवारा॥डरपेगीधवचनसुनिकाना॥अबभामरनसत्यहमजाना
कपिसबउठेगीधकहुंदेषी॥जामवंतमनसोचविसेषी॥कहअंगदविचारमनमाही॥धन्यजटायुसमकोउनाही॥रामकाजकारनतनुत
नुत्यागी॥हरिपुरगएउपरमबडभागी॥जोरघुपतिचरनन्हचितलावै॥तेहिसमधन्यनआनकहावै॥तेहिदेषिकपिचलेपराई॥वावकीन्हते
हिसपथदिवाई॥सुनिषगहरषसोचजुतवानी॥आवानिकटकपिन्हभयमानी॥तिन्हहिअभयकरिपूछेसिजाई॥कथासकलतिन्हताहि(
सुनाई॥सुनिसंपातिबंधुकैकरनी॥रघुपतिमहिमाबहुविधिवरनी॥दो॥मोहिलैचलहुसिंधुतटदेउंतिलांजुलिताहि॥वचनसहाइक
रबमैंपैहहुषोजहुजाहि॥२८॥चौ॥अनुजक्रियाकरिसागरतीरा॥कहिनिजकथासुनहुकपिवीरा॥हमद्वौबंधुप्रथमतरुनाई॥गगनग
एरविनिकटउडाई॥तेजनसहिसकसोफिरिआवा॥मैंअभिमानीरविनियरावा॥जिमिजिमिमैंरविनिकटउडाउं॥तिमितिमितेजविकल
होइजाउं॥जरेपंषअतितेजअपारा॥परेउंभूमिकरिघोरचिकारा॥मुनिएकनामचंद्रमाओही॥लागीदयादेषिकरिमोही॥बहुप्रकारतेहि
ग्यानसुनावा॥देहजनितअभिमानछुडावा॥त्रेताब्रह्ममनुजतनुधरिहही॥तासुनारिनिसिचरपतिहरिहही॥तासुषोजपठइहिप्रभुदूता॥तिन्ह(

कि० हिमिल्लेतैहोवपुनीता॥जमिहहिपंषकरासिजनचिंता॥तिन्हहिदेषाइदिहेसुनसीता॥इहकहिमुनिआश्रमनिजगएउ॥तेहि
८ छुनहृदयज्ञानकछुभयउ॥सदारामकरसुमिरनकरउ॥एहिविधिमगजोहतमैरहउ॥मुनिकैगिरासत्यभइआजू॥सुनिममव
चनकरहुप्रभुकाजू॥गिरित्रिकूटउपरवसलंका॥तहंरहरावनसहजअसंका॥तहंअशोकउपवनजहरहई॥सीतावैठिसोचतहक
रई॥दो॥मैदेषौतुमनालषोगीधहिहष्टिआपार॥वूढभएउनतौकरतेउंकछुकसहाइतुह्मार॥२९॥चौ॥जोनाघैशतजोजनसागर
करैसोरामकाजमतिआगर॥जोकोइकरैरामकरकाजू॥तेहिसमधन्यआननहिआजू॥मोहिविलोकिधरहुमनधीरा॥रामकृपा
कसभएउसरीरा॥पापिउजाकरनामजोसुमिरहि॥अतिअपारभवसागरतरही॥तासुदूततुह्मतजिकदराई॥रामहृदयधरिकर
हुउपाई॥असकहिगरुडगीधजवगएउ॥तिन्हकेमनअतिविस्मैभएउ॥निजनिजवलसवकाहूभाषा॥पारजाइकैसंसैराषा
जरठभएउअसकहैरिछेसा॥नाहिनरहाप्रथमलवलेसा॥जवहीत्रिविक्रमभएउषरारी॥तवमैतरुणरहेउंवलभारी॥ राम
व दो॥वलिवाधेतप्रभुवाढेउसोतनवरनिनजाइ॥उभयघरीमहदीन्हिसातप्रदछिनधाइ॥३०॥चौ॥अंगदकहैजाउमैपारा॥जिय ८
संसयकछुफिरतीवारा॥जामवंतकहतुमसवलायक॥पठइयकिमिसवहीकरनायक॥कहइरीछपतिसुनुहनुमाना॥कसचु
पसाधरहेवलवाना॥पवनतनयवलपवनसमाना॥वुद्धिविवेकविज्ञाननिधाना॥कवनसोकाजकठिनजगमाही॥जोनहीतात

कि० ९

होइतुम्हपाही॥रामकाजलगितवअवतारा॥सुनतहिभएउपर्वताकारा॥कनकवरनतनतेजविराजा॥मानहुअपर
गिरिन्हकेराजा॥सिंहनादकरिवारहिवारा॥कौतुकनाघौजलधिअपारा॥सहितसहायरावनहिमारी॥आनौइहांत्रि
कूटउपारी॥जामवंतमैंपूछौंतोही॥उचितसिषावनदीजेमोही॥एतनाकरहुताततुम्हजाई॥सीतहिदेषिकहहुसुधिआई॥त
ववनिजभुजवलराजिवनैना॥कौतुकलागिसंगसवसेना॥छं॥कपिसयनसंगसंघारिनिसिचररामसीतहिआनिहै॥जोसु
नतगावतकहतसमुझतपरमपदनरपावही॥रघुवीरपदपाथोजमधकरदासतुलसीगावही॥दो॥भवभेषजरघुनाथजससुनहिजेन
रअरुनारि॥तिन्हकरसकलमनोरथसिद्धकरहित्रिपुरारि॥सो॥नीलोत्पलतनस्यामकोटिमदनसोभाअधिक॥सुनियतासुगुनग्रामजा
सुनामअघषगवधिक॥३०॥इतिश्रीरामचरित्रेमानसेसकलकलिकलुषविध्वंसनेविशुद्धसंतोषसंपादिनीनामचतुर्थसोपानसमाप्तं॥
संवत्१८९५भाद्रपदकृस्न१३चन्द्रगुवारलिखितारामरत्नगौडेनहंसदासवैस्नवपठनार्थं॥ ॥लेखकपाठकयोःशुभंभूयात्॥ ॥श्रीरस्तु॥
रामायनमः॥ ॥रामायनम॥ ॥श्रीरामोजयति॥ ॥श्रीराम॥ ॥रामायनमः॥ ॥राम॥ ॥राम॥ ॥राम॥ ॥राम॥ ॥राम
राम॥राम॥राम॥राम॥राम॥राम॥राम॥राम॥राम॥राम॥राम॥राम॥राम॥राम॥राम॥राम॥राम॥राम॥राम॥राम॥राम॥राम॥राम॥
रामायनमः॥रामायनमः॥रामायनमः॥रामायनमः॥रामायनमः॥रामायनमः॥रामायनमः॥रामायनमः॥रामायनमः॥श्रीरामायनमः॥

त्रैलोक्यपावनसुजससुरमुनिनारदैदिवषानि॥४

राम
९५

[illegible]

[illegible]